

# डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 34, यशायाह, मुख्य पाठ

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 34 है, यशायाह, मुख्य पाठ।

ठीक है, मैं शुरू करने के लिए तैयार हूँ।

आइए प्रार्थना करें। जैसे-जैसे हम कक्षाओं के इस आखिरी सप्ताह में आ रहे हैं, हमारे पिता, हम आपकी मदद के लिए प्रार्थना करते हैं। हम स्वीकार करते हैं कि जीवन के बारे में बहुत कुछ ऐसा है जिसे हम नहीं समझते हैं।

हम आपको उन संसाधनों के लिए धन्यवाद देते हैं जो आपने हमें दिए हैं, परमेश्वर का वचन। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने हमें परमेश्वर के साथ चलने पर कई शताब्दियों के लोगों के बुद्धिमान प्रतिबिंब, आध्यात्मिक आत्मकथा दी है। हम आपको हमारे भीतर रहने वाली पवित्र आत्मा के लिए धन्यवाद देते हैं जिसने कहा कि वह हमें सत्य की ओर ले जाएगा।

हम अपने अनोखे तरीकों से ईश्वर को जानने के अपने अनुभवों के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि जब हम इन सभी और अन्य संसाधनों को एक साथ लेते हैं, तो हम प्रार्थना करते हैं कि हम जान सकें कि हम जीवन में किसी भी क्षण अकेले नहीं हैं, ताकि हम आपकी सहायता ले सकें। हमें अपने जीवन के बाकी हिस्सों के लिए भविष्यवक्ताओं की सहायता लेने में मदद करें, यह जानते हुए कि आप कभी-कभी अत्यधिक कठिन और अकेले स्थानों और समयों में भी उनके साथ हैं।

आपका धन्यवाद कि आप अपने लोगों को कहीं ले जा रहे हैं, और आशा पुराने नियम के केंद्र में है कि मुक्ति रास्ते पर है। जीवन के उलटफेरों में, ब्रह्मांड में आप क्या कर रहे हैं, इस बारे में हमारे मन में उठने वाले सवाल में, हमें यह कभी न भूलने में मदद करें कि हम इतिहास के एक ऐसे ईश्वर की सेवा करते हैं जो हमारी व्यक्तिगत आत्मकथाओं को छुड़ा रहा है और साथ ही सभी राष्ट्रों और सभी लोगों को आप पर भरोसा करके अंततः बेहतर चीजों की ओर ले जा रहा है। हम आज मसीह के नाम पर अपनी कक्षा आपको सौंपते हैं। आमीन।

ठीक है, इन आखिरी कुछ कक्षाओं में, मैं यशायाह के कुछ पसंदीदा ग्रंथों के बारे में बात करना चाहता हूँ, कुछ ऐसे प्रमुख ग्रंथ जिन पर लोगों ने विशेष रूप से युगों से चिंतन किया है और कई कारणों से उनका उपयोग किया है। तो, यह पुराने नियम, भविष्यवाणी के विभिन्न भागों का एक मिश्रण है।

अब, पहली बात जिस पर मैं संक्षेप में टिप्पणी करना चाहता हूँ, वह है हमारा 61वाँ अंश, जो यीशु के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। यीशु ने अपना सार्वजनिक मंत्रालय पिट्सबर्ग के प्रथम प्रेस्बिटेरियन चर्च में नहीं बल्कि नाज़रेथ में अपने स्थानीय आराधनालय में शुरू किया। और वह

उठकर स्कॉल मंगवाता है। यह लूका 4 में दर्ज है, और इसमें अध्याय और पद का विभाजन नहीं था, इसलिए आपको पता होना चाहिए कि आप कहाँ जा रहे हैं।

उसके पास यशायाह के स्कॉल के लिए 24 फीट रोल स्पेस था। मेरा अनुमान है कि लगभग 20, 21 फीट के आसपास, वह अध्याय 61 पर आता है जैसा कि हम आज जानते हैं। और परिचारक उसे स्कॉल और यशायाह का स्कॉल सौंपता है।

और वह यशायाह 61 से यह दिलचस्प अंश पढ़ता है, हमारे प्रभु, प्रभु की आत्मा मुझ पर है, क्योंकि प्रभु ने मुझे गरीबों को खुशखबरी सुनाने के लिए अभिषेक किया है, मुझे टूटे हुए दिलों को बांधने, बंदियों के लिए स्वतंत्रता की घोषणा करने और कैदियों के लिए अंधेरे से मुक्ति, प्रभु के अनुग्रह की घोषणा करने के लिए भेजा है। अब, यशायाह आगे बढ़ता है और वहाँ एक और पंक्ति शामिल करता है, लेकिन यीशु अपने उद्घरण को तोड़ता है, या बहुत, बहुत करीबी व्याख्या करता है, हमारे भगवान के प्रतिशोध का दिन, जो यशायाह 61 पाठ का हिस्सा है। यह एक ऐसा अंश है जिसे यीशु के दिनों के आराधनालय में हफ़्ताराह, हफ़्ताराह के रूप में जाना जाता था; हमने पहले इसके बारे में बात की है।

नबियों से रीडिंग का समन्वय, जो कि अंतर-नियम काल में विकसित हुआ क्योंकि यहूदियों को टोरा की प्रतियाँ रखने की मनाही थी, नबियों से रीडिंग का समन्वय करने का एक सरल तरीका था। और, आप जानते हैं, नबियों से सामग्री प्राप्त करना टोरा नहीं माना जाता था। और इसलिए, वे ऐसे अंश पढ़ सकते थे जो आराधनालय के लिए नियमित आवधिक निर्धारित रीडिंग के साथ विषयगत रूप से जुड़े हुए थे।

और जाहिर तौर पर यह उनमें से एक था। पाठ पर ध्यान दें, और लोग इसे पढ़ते समय खड़े थे। मुझे अभी भी लगता है कि यह हमारे चर्चों में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात है।

लूका 4:16 कहता है, यह पवित्रशास्त्र के पठन के दौरान खड़ा था। मुझे याद है कि मैं अपनी आधुनिक यहूदी संस्कृति कक्षा के साथ आराधनालय गया था, और यह शवोट के दौरान था, यह सप्ताहों के त्योहार के दौरान था, और मण्डली पवित्रशास्त्र के पठन के लिए खड़ी थी, और यह रूथ की पुस्तक के लिए था। इसलिए, हम रूथ की पुस्तक के सभी चार अध्यायों के लिए खड़े थे।

मैंने अक्सर खुद से कहा है, अगर पादरी ने कहा कि हम परमेश्वर के वचन के चार अध्यायों के लिए खड़े होने जा रहे हैं, तो स्थानीय चर्च के लोग इसे कैसे संभालेंगे? शायद एक पूर्व शर्त है कि वे इसे अच्छी तरह से संभाल नहीं पाएंगे, लेकिन जब आप जल द्वार से पहले नहेमायाह के आठवें अध्याय को पढ़ते हैं, तो एज्रा अपने मंच पर उठता है और सुबह से दोपहर तक पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की उपस्थिति में टोरा से पढ़ता है। तो यह छह घंटे का एपिसोड रहा होगा क्योंकि यह दोपहर तक चला। लेकिन मैं बस यह बताना चाहता हूँ कि दूसरी ओर, परमेश्वर के वचन के पढ़ने के लिए, शिक्षण के दौरान बैठना था।

लूका 5:1 की आयत देखें: यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा देते हुए बैठते हैं। यीशु कहते हैं कि यह विशेष अंश तब पूरा होता है जब वह अपना सार्वजनिक मंत्रालय शुरू करते हैं। किसी तरह, मुझे

लगता है कि यहाँ भविष्यवक्ता खुद को उस व्यक्ति के रूप में देखता है जिस पर, एक भविष्यवक्ता के रूप में, उसे बैठना है।

उसे प्रभु के नबी के रूप में बैठना होगा। प्रभु का सेवक हम पर आता है क्योंकि वह वही है जो बात कर रहा है कि हम बेबीलोन से घर आ रहे हैं। अगर तुम थे तो हम जेल से रिहा हो रहे हैं।

बंदी मुक्त किए जा रहे हैं, और वह वही है जो यह संदेश देता है। लेकिन निश्चित रूप से, यीशु ने इन आयतों को अपने ऊपर सबसे गहरे तरीके से लागू किया। उसकी सेवकाई एक इच्छा, शुभ समाचार, आनन्दपूर्ण घोषणा की सेवकाई होगी।

उनका ध्यान समाज के टूटे-फूटे लोगों, कोढ़ियों, तिरस्कृत लोगों, कर वसूलने वालों, बदनाम महिलाओं और समाज में हाशिए पर पड़े लोगों पर था, और यह यीशु के दिनों में बहुत से लोगों के लिए अपमानजनक था। वह प्रभु के अनुग्रह के इस वर्ष की घोषणा करता है। अब, यहाँ यशायाह 61:2 में जो आप पाते हैं, प्रभु के अनुग्रह का वर्ष, जुबली वर्ष का एक संकेत प्रतीत होता है, जिसमें बंदियों को रिहाई और स्वतंत्रता की घोषणा करना शामिल है।

प्रभु के अनुग्रह का यह वर्ष 365 दिनों का शाब्दिक वर्ष नहीं है, बल्कि एक समय अवधि है। वह अपने सार्वजनिक मंत्रालय के साथ घोषणा कर रहा है कि मसीहाई युग की शुरुआत हो चुकी है क्योंकि सुसमाचार की शक्ति अब पुरुषों और महिलाओं के दिलों को आज़ाद करेगी। यह उद्धार की अवधि होगी, जिसकी घोषणा की जाएगी।

यीशु के रूप में पाप के लिए मुक्ति, साथ ही बीमारी, रोग और उन चीज़ों से मुक्ति जो लोगों को व्यक्तिगत रूप से बांधती हैं, जैसे कि दुष्टात्मा का कब्ज़ा और यीशु की सेवकाई में अन्य चीज़ें। इसलिए, वह परमेश्वर का पीड़ित सेवक है। मूल संदर्भ में बेबीलोन के बंदी से मुक्ति, लेकिन यीशु ने सभी लोगों को सुसमाचार की खुशखबरी के माध्यम से मुक्ति की घोषणा की।

फिलाडेल्फिया में लिबर्टी बेल पर ये दिलचस्प शब्द लिखे हैं: पूरे देश और देश के सभी लोगों और उसके सभी निवासियों के लिए स्वतंत्रता की घोषणा करो। लैव्यव्यवस्था 25, पद 10, पूरे देश के लिए स्वतंत्रता की घोषणा करता है। यहाँ यीशु, अपनी सेवकाई की घोषणा करते हुए, जो फिर से मुख्य रूप से आंतरिक सेवकाई पर एक संदेश है, छुटकारे की बाहरी सेवकाई को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ नहीं करता है, लेकिन उसकी चिंता मुख्य रूप से लोगों को पाप के बंधन से मुक्त करना था ताकि वे परमेश्वर के पुत्र होने की स्वतंत्रता में आ सकें।

यह मुक्ति के लिए एक आध्यात्मिक जोर था। नए नियम के संदेश को देखें क्योंकि यह उस पर प्रतिबिंबित होता है, जिसने हमें हमारे पापों से मुक्त किया है। लूओ, एक प्रथम वर्ष के ग्रीक छात्र द्वारा सीखे जाने वाले पहले शब्दों में से एक है, जिसका अर्थ है हारना।

इसका इस्तेमाल जॉन बैपटिस्ट ने यीशु के संदर्भ में किया है और कहा है कि किसी के पैरों की जूतियों को खोलने या खोलने के लिए वह योग्य नहीं है। और इसलिए, यीशु इस उद्धारण के बीच में ही रुक जाता है। वह प्रभु के अनुग्रह के वर्ष की घोषणा करने की बात करता है।

यह अनुग्रह का समय है। यह परमेश्वर के अनुग्रह के युग का उद्घाटन है, लेकिन अभी तक पूर्ण नहीं हुआ है। एक स्वाभाविक घोषणा और शुरुआत, असली बात यीशु के जीवन और शिक्षाओं में आई, लेकिन मसीहाई युग जारी है।

यह पवित्र आत्मा का युग है, चर्च का युग। और मसीहाई युग तब तक जारी रहेगा जब तक मसीहा वापस नहीं आ जाता। और इस तरह, युग का उद्घाटन और साकार हो चुका है।

लेकिन अंतिम शब्द नहीं, हमारे परमेश्वर के प्रतिशोध का दिन। व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि यीशु ने उद्धारण को वहीं रोक दिया क्योंकि उस शब्द के संचयी या अंतिम अर्थ में प्रतिशोध के दिन या योम यहोवा के अंतिम भाग की भविष्य की पूर्ति वास्तव में दूसरे आगमन की प्रतीक्षा कर रही है। इसकी घोषणा की गई है, लेकिन यह कुछ ऐसा नहीं है जो यीशु के दिनों में साकार हो।

मत्ती 3:12 को देखिए। यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला मसीहा के लिए रास्ता तैयार करने आता है। और वह कहता है कि मैं तुम्हें पवित्र आत्मा के जल से बपतिस्मा देता हूँ। और पश्चात्ताप के लिए, लेकिन मेरे बाद एक आएगा जो मुझसे ज़्यादा शक्तिशाली है। वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।

उसका विनोइंग फोर्क उसके हाथ में है। और जब आप 3:12 पर आते हैं, तो हम अब मसीहाई युग और उसके संचयन और पूर्णता और युग के अंत में आगे के विकास को देखते हैं। विनोइंग फोर्क हमें भजन 1 के अंश पर ले जाता है जहाँ आप अलग हो रहे हैं।

या मत्ती 25 का अंश, फिर से भेड़ों को बकरियों से अलग करना। या, जैसा कि दृष्टान्तों में कहा गया है, गेहूँ को खरपतवार से अलग करना। यह अच्छाई और बुराई का अंतिम पृथक्करण है।

उसका विनोइंग फोर्क उसके हाथ में है और वह अपने खलिहान को साफ करेगा, अपने गेहूँ को खलिहान में इकट्ठा करेगा और भूसी को कभी न बुझने वाली आग से जला देगा। और इसलिए यह यशायाह 61 को संदर्भित करता है, हमारे परमेश्वर के प्रतिशोध का यह दिन, जो हमें सभी शत्रुओं पर न्याय और परमेश्वर के लोगों को न्याय प्रदान करता है। मैं यशायाह 14:12 से एक और श्लोक की ओर मुड़ना चाहता हूँ। इस विशेष संदर्भ में, हमारे पास एक श्लोक है जो मुझे लगता है कि यशायाह की भविष्यवाणी में बेबीलोन के राजा को उखाड़ फेंकने का आह्वान करता है।

कौन घमंडी और कौन ताकतवर था? आपको याद होगा कि हबक्कूक ने घमंडी व्यक्ति के बारे में बात की थी, जिसे नीचे लाया जाएगा। और 4:12 में लिखा है, तुम्हें कैसे नीचे लाया जाएगा। हे भोर के तारे, हे भोर के सूर्य, तुम स्वर्ग से गिर गए हो।

तुम्हें धरती पर गिरा दिया गया है। तुमने एक बार राष्ट्रों को गिरा दिया था। अब, कुछ लोग इसे शैतान का पतन मानते हैं।

जब तुम आगे बढ़ते हो, तो यह कहता है, तुम अपने मन में कहते हो, मैं स्वर्ग पर चढ़ जाऊंगा। मैं अपना सिंहासन ईश्वर के तारों से भी ऊपर उठाऊंगा। मैं सभा के टीले पर सिंहासन पर बैठूंगा।

मैं खुद को परमप्रधान परमेश्वर के समान बना लूंगा। लेकिन तुम कब्र में गड्ढे की गहराई में उतार दिए जाओगे। अध्याय 13 और 14 बेबीलोन के खिलाफ भविष्यवाणियाँ हैं।

तो फिर, बिना संदर्भ के कोई भी पाठ किसी भी चीज़ के लिए बहाना बन सकता है। इसलिए, सबसे पहले हम उस अंश को उसके मूल संदर्भ में सुनने की कोशिश करना चाहते हैं। और ऐसा लगता है कि यह बाबुल के राजा को संदर्भित करता है जो सर्वशक्तिमान की अवहेलना कर रहा है।

बेबीलोन के राजा के अहंकारी होने की तस्वीर पैट्रिस्टिक व्याख्या में ली गई थी, यानी चर्च के पिताओं के बीच निर्धारित व्याख्या। यह अंश शैतान पर लागू होता है, और यह एक बहुत ही आम व्याख्या है जो लूका अध्याय 10, श्लोक 18 से भी जुड़ी हुई है, जिसमें शैतान के पतन का वर्णन किया गया है।

मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि अगर आप इन आयतों को शैतान के अहंकार के संदर्भ में लेते हैं, जिसका अर्थ है विरोध, विरोधी, जो स्पष्ट रूप से सर्वशक्तिमान का विरोध करता है, तो समझ लें कि यह बाइबल के स्रोतों से स्पष्ट रूप से व्याख्यात्मक रूप से प्राप्त कुछ नहीं है। चर्च के पिताओं के पास व्याख्या के लिए एक दृष्टिकोण था जो अत्यधिक रूपक, प्रतीकात्मक और क्राइस्टोलॉजिकल था। और इसलिए, जबकि मार्ग भगवान के बारे में बात करता है कि वे गर्वित मूर्तिपूजक राजाओं को नम्र करते हैं जो खुद को भगवान की तरह देखते हैं और याद करते हैं कि प्राचीन निकट पूर्व में दिव्य राजत्व हर जगह था।

फिरौन खुद को भगवान मानता था और जो लोग खुद को इस तरह पेश करते थे, भगवान कहते थे, मैं तुम्हें धरती पर उतार दूंगा। मैं तुम्हें नम्र बना दूंगा। और, ज़ाहिर है, 539 ईसा पूर्व तक, फारस के राजा साइरस के आने के साथ ही बेबीलोन की पूरी मशीनरी ध्वस्त हो गई थी, और वह अगले 210 वर्षों तक मध्य पूर्व का पुलिसवाला रहा जब तक कि सिकंदर महान नहीं आ गया।

इसलिए, वह विनम्र हो गया। बेबीलोन, अपने लटकते हुए बगीचों के बारे में शेखी बघारता था, अपनी शानदार संस्कृति के बारे में शेखी बघारता था। आप बोस्टन में ललित कला संग्रहालय में जाते हैं, और आप एक को देखते हैं, मुझे लगता है कि यह देखने के लिए उपलब्ध है, नबूकदनेस्सर के दिनों में बेबीलोन में जुलूस के रास्ते से एक सुंदर तामचीनी शेर।

सुंदर नीला और पीला इनेमल। यह एक अद्भुत उदाहरण है। शेर का उपयोग करें।

हम राजा हैं। हम राष्ट्रों के राजा हैं। और अब हम संग्रहालयों में शेर को देखते हैं और महसूस करते हैं कि शेर भी असफल होते हैं।

हाँ? कनानियों के बीच निश्चित रूप से देवताओं के रूप में आकाशीय चीजों की पूजा होती थी। शमेश को सूर्य देवता के रूप में और यारक को चंद्र देवता के रूप में पूजा जाता था। स्वर्ग में देवता थे।

श्लोक 12 में शैतान का उल्लेख करने का एक कारण यह है कि 5वीं शताब्दी ई. में वलोट ने लूसिफ़र का अनुवाद किया था। और इस तरह लूसिफ़र शैतान का पर्याय बन गया। अध्याय 19 में, मुझे लगता है कि मध्य पूर्व में जो कुछ भी हो रहा है, उसे कभी नज़रअंदाज़ न करने के लिए यह एक अच्छा मार्ग है।

आप जानते हैं, आपने विदेशी देशों की ये भविष्यवाणियाँ पढ़ी हैं और आप हाल ही में इससे गुज़रे हैं। यह ठीक है। यह सुबह की घड़ी की तरह है।

यह हमें जगाता है। अब, इसायाह के पास मध्य पूर्व के भविष्य का एक दृष्टिकोण है। फिर से, मैं यह बताना चाहता हूँ कि राजनीतिक गोलमेज सम्मेलन जितने महत्वपूर्ण हैं, शांति वार्ता जितनी महत्वपूर्ण है, और आपसी समझ जितनी महत्वपूर्ण है, मध्य पूर्व के भविष्य के बारे में इसायाह का दृष्टिकोण बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

और मुझे लगता है कि मध्य पूर्व में जो कुछ भी हो रहा है, उसे कभी नज़रअंदाज़ न करने के लिए यह एक अच्छा मार्ग है। और फिर, मैं यह बताना चाहता हूँ कि राजनीतिक गोलमेज सम्मेलन जितने महत्वपूर्ण हैं, और आपसी समझ जितनी महत्वपूर्ण है, मध्य पूर्व के भविष्य के बारे में इसायाह का दृष्टिकोण बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है। कुछ ऐसा जो अंततः गहराई से धार्मिक और धार्मिक है।

उस दिन हम जो भविष्यवाणी सूत्र सुनते रहते हैं, उस पर ध्यान दें, बायोम हा-हू। यह भविष्यवक्ताओं में कई बार आता है। आम तौर पर, यह प्रभु के अंतिम दिन या किसी बहुत ही अंतिम समय से संबंधित बात का परिचय देता है।

उस दिन, पद 18. उस दिन, पद 19. उस दिन, मिस्र के हृदय में यहोवा के लिये एक वेदी होगी।

प्रभु स्वयं को मिस्रियों के सामने प्रकट करेंगे और उस दिन वे प्रभु को स्वीकार करेंगे और वे आराधना करेंगे। और फिर यह समापन जो राष्ट्रों के उद्धारित त्रिकोण के बारे में बात करता है, जो बहुत अधिक समाचारों में है। उस दिन, और मुझे लगता है कि यहाँ वह मसीहाई युग के बारे में बात कर रहे हैं, जिसे अभी तक समझा नहीं गया है, लेकिन समझा जाएगा।

बाधाएं दूर होने जा रही हैं। उस दिन, मिस्र से अशशूर तक एक राजमार्ग होगा। अब, यशायाह के दिनों में, ये दो बड़े दुश्मन थे।

मिस्र बहुत शक्तिशाली था। यशायाह के समय से एक शताब्दी बाद, एक शताब्दी से भी अधिक समय बाद, मिस्रवासी बहुत शक्तिशाली थे। अच्छे राजा योशियाह को मगिदो दर्रे की रक्षा करने की कोशिश में अपनी मृत्यु का सामना करना पड़ा।

दिल में तीर लग गया। किससे? फिरौन नेचो रूट 95 पर दहाड़ रहा था, ताकि बड़ी, प्रसिद्ध लड़ाई में शामिल हो सके, जिसका मतलब था कि मिस्रियों और असीरियन सेना के बिखरे हुए सिर 612 ईसा पूर्व में निनवे के रूप में गिर गए थे। और अब अगले कुछ सालों में, बिखरी हुई असीरियन सेनाओं की सहायता के लिए अंतिम व्यक्ति आ रहा है।

और कारकेमिश की वह अंतिम लड़ाई, जिसने बेबीलोन की सर्वोच्चता को सुरक्षित किया, पूरे मिस्र के लिए ताबूत में अंतिम कील थी। साथ ही अश्शूर के लिए भी। तो यशायाह के दिनों में ये दो बहुत शक्तिशाली दुश्मन थे।

और मिस्र से अश्शूर तक एक राजमार्ग होगा। अश्शूर मिस्र गए, और मिस्री अश्शूर गए। उस दिन मिस्री और अश्शूर एक साथ आराधना करेंगे।

इजराइल मिस्र और असीरिया के साथ तीसरा होगा। तो, यह एक त्रिकोण है। पृथ्वी पर एक आशीर्वाद।

सर्वशक्तिमान प्रभु उन्हें आशीर्वाद देंगे, बहुवचन। कहते हुए, धन्य हो मिस्र, मेरे लोग। यह शब्द आमतौर पर इस्राएल के लिए इस्तेमाल किया जाता है, स्नेह का एक शब्द।

होशे में हमने जो देखा। लो अम्मी, अम्मी के स्थान पर। अम्मी परमेश्वर के अपने लोगों के प्रति प्रेमपूर्ण स्नेह का प्रतीक है।

अब इसका इस्तेमाल मिस्रियों के लिए किया जाता है। अश्शूर, मेरी कारीगरी। और इस्राएल, मेरी विरासत।

एक साथ मिलकर आराधना करना सार शालोम की बात करता है जिसके बारे में यशायाह ने पहले कहा था। और यह इस्राएल के लिए परमेश्वर के प्रेम की बात करता है। और सार्वभौमिक शांति के लिए एक साथ आने वाले लोगों की बात करता है।

इजराइल के ऐतिहासिक दुश्मन। अब उनके साथ शांति है। और वे एक साथ पूजा कर रहे हैं।

मुझे नहीं लगता कि इस पाठ में तीन ईश्वरों, अल्लाह, अडोनाई और मसीह के बारे में कहा गया है। जब यह कहता है, वे एक साथ पूजा करेंगे। मुझे लगता है कि यशायाह का दर्शन सामान्य रूप से वास्तविक शास्त्र का दर्शन है।

जकर्याह 14:9 में इसका समापन हुआ। उस दिन, योद-हेह-वव-हेह पूरी धरती पर राजा होगा। किसी तरह, धर्म की शुरुआत अब्राहम के लिए एक रहस्योद्घाटन के रूप में हुई। और सिनाई में, सामूहिक रूप से एक राष्ट्र के लिए।

फिर अंततः, परमेश्वर की रहस्योद्घाटन शक्ति के माध्यम से, इस्राएल में किसी प्रकार की शांति आएगी। किसी प्रकार का विश्वव्यापी पुनरुद्धार होगा। अब्राहम, तुम्हारे माध्यम से, पृथ्वी के सभी राष्ट्र धन्य होने जा रहे हैं।

और वह छोटा सा शब्द आशीर्वाद बार-बार आता है। यह यहाँ पाया जाता है। भविष्य के लिए सोचने वाली बात है।

एक और दिलचस्प अंश जिस पर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ वह है 25:8. 25:8 पुराने नियम में मिथकों को मिटाने के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है. यहाँ क्या हो रहा है? मुझे 25 :8 पढ़ने दें. यह यशायाह के सर्वनाश में है. यह वह जगह है जहाँ वह युगों के अंत की ओर आगे देखता है.

इसमें, वह न केवल राष्ट्रों के बीच परमेश्वर के शत्रुओं की हार देखता है, बल्कि वह सभी धोखेबाजों को भी देखता है, धार्मिक रूप से, पराजित और नष्ट होते हुए। वह पद 6 में एक मसीहाई भोज के बारे में बात कर रहा है। हमारे गॉर्डन स्नातकों में से एक ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में यशायाह 25 में इस मसीहाई भोज पर पीएचडी लिखी, जो पद 6 से शुरू होती है। इस पर्वत पर, सर्वशक्तिमान प्रभु सभी लोगों के लिए, न केवल इस्राएल के लिए, बल्कि सभी लोगों के लिए स्वादिष्ट भोजन की दावत तैयार करेगा। अब कैमरे का लेंस बहुत दूर जा रहा है।

अब्राहम, सभी लोग तुम्हारे द्वारा आशीर्वादित होंगे। पुरानी शराब, सबसे बढ़िया मांस और बेहतरीन मदिरा का भोज। इस पर्वत पर, वह सभी लोगों को ढकने वाले कफन को नष्ट कर देगा, वह चादर जो सभी राष्ट्रों को ढकती है।

और वह हमेशा के लिए मौत को निगल जाएगा। इसलिए, हम जानते हैं कि यह समय का अंत है जैसा कि हम जानते हैं। सर्वशक्तिमान प्रभु आँसू पोंछ देगा, एक अभिव्यक्ति जो मुझे लगता है कि आपको नए नियम से याद है।

तो, सभी चेहरों से आँसू पोंछ दिए जाएँगे। मैं जिस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ, वह है मोट का निगल जाना। यह मृत्यु का निगल जाना है।

और मोट कनानी लोगों का मृत्यु का देवता था। मोट एक आम सेमिटिक मूल है, जिसका संदर्भ या तो मरने के मौखिक रूप से है या संज्ञा मोट, जो मृत्यु का संदर्भ है। इसलिए कनानी प्रणाली में, जीवन और वनस्पति और नवीनीकरण और प्रकृति का देवता, जो हर साल खेलता है, जीवित हो जाता है।

वह बाल था। और हर साल कनानाइट महाकाव्यों में, जिन्हें हमने उगरिटिक ग्रंथों में दर्ज किया है, बाल और मोट हर साल एक दूसरे से लड़ते हैं। और मोट बाल को मार देता है।

और यही कारण है कि जून के अंत में वनस्पतियाँ मरने लगती हैं। और आप गर्मियों में इज़राइल जाएँ, तो वहाँ मौसम उदास होता है, खेतों में पानी की कमी होती है, सूखा होता है, वादियाँ मार्च की तरह नहीं फटती हैं। वे सूख चुकी हैं।

जब तक पहली बारिश फिर से शुरू नहीं हो जाती, तब तक ज़मीन मौत जैसी दिखती है, आमतौर पर अगस्त में। अक्टूबर में, सुकोट के समानांतर।

ऐसा कनानाइट धर्म के मिथक के अनुसार मोट के कारण है। अब, यहाँ जो हमारे पास है वह डीमिथोलॉजाइज़ेशन का एक उदाहरण है। डीमिथोलॉजाइज़ेशन का सीधा सा मतलब है कि बाइबल मिथक को तोड़ती है।



मिथक को क्या तोड़ता है? बाइबल मिथक को तोड़ती है। कौन सा मिथक? खैर, मिथक कि मोट वास्तविक है, कि बाल वास्तविक है, और यह जीवन और मृत्यु का वार्षिक चक्र है, जिस पर उस देश के निवासी विश्वास करते थे, और जिसे इज़राइल अक्सर अपने निम्न आध्यात्मिक क्षणों में उत्पत्ति की पुस्तक पढ़ता था। और यही मिथक है कि बाल न्याय करता है, जहाँ न्यायियों की शुरुआत में इस बारे में बात की गई है कि इज़राइल के इतिहास के आध्यात्मिक रूप से निम्न बिंदु के दौरान बालवाद कितना महत्वपूर्ण था।

यह मिथक टूट गया है कि बाल जीवन, वनस्पति और उर्वरता का देवता है और मोट हर साल बाल को नष्ट कर देता है। भजन 49:14 के अनुसार, मृत्यु एक राक्षस की तरह है जो अपने शिकार को खाता है। यहाँ, मोट, युग के अंत में, यशायाह का सर्वनाश है; मोट को अंतिम शब्द नहीं मिलता है, जब आप 1 कुरिन्थियों 15 पढ़ते हैं। अंतिम शब्द किसे मिलता है? क्या मृत्यु को? नहीं, क्योंकि मसीह जी उठे हैं, उन्होंने मृत्यु के डंक को खत्म कर दिया है।

और इसलिए, मृत्यु को अंतिम विजय नहीं मिलती, लेकिन मसीह मृत्यु पर विजयी होता है। यहाँ, यहोवा मोट को निगल जाता है। यहाँ कहा गया है कि वह मोट को निगल जाएगा।

तो, यहाँ पर बात बदल गई। हर कोई मानता था कि वह एक कनानी परिवार से था, और धार्मिक विश्वास के माध्यम से यह माना जाता था कि मोट अपने शिकार को निगल जाता था। मोट मृत्यु का देवता था।

यह उस देश का लोकप्रिय धर्मशास्त्र था। यहाँ, यहोवा ने कनानी मौत के देवता मोट को निगल लिया। तो, मिथक टूट गया।

यहोवा को अंतिम शब्द मिलता है, मोट को नहीं। और इसलिए, मृत्यु महान निगलने वाली है। नहीं, मोट खुद निगल लिया जाएगा।

और इस तरह, वह विचार नष्ट हो गया। इस मिथक-विहीनीकरण का एक और बढ़िया उदाहरण भजनों में है। भजनों में, यहोवा के बादलों पर सवार होने के बारे में एक भाषण है।

भजन 68:4 में कहा गया है। परमेश्वर के लिए गाओ, उसके नाम की स्तुति गाओ, बादलों पर सवार होने वाले की स्तुति करो। उसका नाम प्रभु है और उसके सामने आनन्द मनाओ। प्रभु बादलों पर सवार होते हैं? खैर, हम उस पाठ के बारे में तब तक बहुत अधिक नहीं जानते थे जब तक कि एंकर बाइबल कमेंट्री में मिशेल दाहूद के तीन-खंड के काम में प्राचीन युगारिटिक या कनानी पौराणिक ग्रंथों से इन दिलचस्प समानताओं के सैकड़ों और सैकड़ों शामिल नहीं हो गए।

और, बेशक, बाल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाल बादलों पर सवार है। वह बारिश का देवता है। बाल वह देवता है जो धरती को हरा-भरा बनाता है।

बाल प्रकृति, जीवन और उर्वरता के देवता हैं। वे बादलों पर सवार रहते हैं। बाल की स्तुति गाओ।

मिथक तोड़ने का एक और बढ़िया उदाहरण है। यह बकवास है। यह एक नकली लोकप्रिय धर्म है।

चलिए इसे सीधे तौर पर समझते हैं। तो, यहाँ भजनकार मिथक को तोड़ता है और कहता है कि यह बाल नहीं है जो बादलों पर सवार है। वास्तव में कोई और ही बारिश लाता है।

प्रकृति के देवता की पूजा मत करो। पूरे ब्रह्मांड के देवता की पूजा करो। तो, मिथक फिर टूट गया।

मैं आपका ध्यान यशायाह 26, 3 से एक और श्लोक की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। यह एक और महान पाठ है। यह उन कुछ स्थानों में से एक है और शायद एकमात्र स्थान है जहाँ शालोम शब्द का लगातार दो बार प्रयोग किया गया है। एक दोहरा शालोम।

आप NIV में पूर्ण शांति बनाए रखेंगे। अब, यह एक अच्छा शब्द-क्रीड़ा है क्योंकि शालोम का अर्थ है पूर्ण। इसका अर्थ है पूर्ण, एक साथ, संपूर्ण, संपूर्ण।

यह फिर से एक पूर्ण शांति है। फिर से, यशायाह के सर्वनाश में, आप उसे पूर्ण शांति में रखेंगे। वह जिसका मन स्थिर है क्योंकि वह आप पर भरोसा करता है।

प्रभु पर हमेशा भरोसा रखें क्योंकि प्रभु सनातन चट्टान है। अब, इस दोहरे शालोम के साथ, अनुवादक आमतौर पर इसका अनुवाद करते हैं। राजा जेम्स ने निश्चित रूप से पूर्ण शांति, एनआईवी पूर्ण शांति की।

जब दो शब्द एक साथ आते हैं, तो जाहिर है, यह तीव्र करने या जोर देने के लिए होता है। और यही कारण है कि, जबकि शांति का अर्थ पूर्णता है, इसलिए पूर्ण शांति एक अच्छा सा शब्द-क्रीड़ा है, जो शांति की धारणा को तीव्र करता है। यह पूर्णता, पूर्णता या परम शांति कहने जैसा है।

अब, ध्यान दें कि संदर्भ में शालोम का क्या अर्थ है। अक्सर, हम शालोम शब्द सुनते हैं। हम इसे इधर-उधर फेंकते हैं।

लेकिन जिसके पास महान शालोम है वह चट्टान की तरह ठोस है। यहाँ संदर्भ देखें। प्रभु शाश्वत, दृढ़, संपूर्ण और एक साथ चट्टान है।

और जब आपमें शांति की कमी होती है, तो आप बिखर जाते हैं। आप टुकड़ों में बंटी चट्टान की तरह होते हैं। आप बिखर रहे होते हैं।

जब आपके पास शालोम होता है, तो आप पूर्ण एकीकरण पाते हैं। आपके पास सब कुछ एक साथ होता है। जब आपके पास शालोम नहीं होता, तो आप उसे खो देते हैं।

आप इसे खोना शुरू कर देते हैं और बिखरने लगते हैं। तो, शालोम का मतलब है एकीकरण, सामंजस्य, एकजुटता। आपके पास यह सब एक साथ है।

इसलिए, यदि आप हिब्रू शब्दकोश में जाएँ तो आपको इनमें से बहुत से शब्द कई, कई अलग-अलग तरह के संदर्भों में मिलेंगे। यह शब्द, शालोम, अंग्रेजी भाषा में लगभग एक उधार शब्द बन गया है। संपूर्णता, स्वास्थ्य, समृद्धि, पूर्णता, समापन, कल्याण, सुदृढ़ता, सामंजस्य जैसे शब्द। लेकिन जब आपके पास शालोम होता है, तो ये सभी एक साथ बोलते हैं।

आप चट्टान की तरह मजबूत हैं। आप किसी धागे से लटके हुए नहीं हैं। लेकिन यह स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती का प्रतीक है।

सलीम भी शांति और स्वास्थ्य के एक कनानी देवता थे जिन्होंने यरूशलेम शहर को अपना नाम दिया था। हमें 3100 ईसा पूर्व के पाठ में यरूशलेम शब्द का प्रयोग मिलता है। और सलीम, स्वास्थ्य, समृद्धि, पूर्णता के एक कनानी देवता थे।

आप सलीम, शालोम या अरबी में सलाम देख सकते हैं। और यहाँ तक कि अक्कादियन में भी मूल रूप से स्वास्थ्य का अर्थ है, जो पूरी तरह से एक साथ और संपूर्ण होने के समान ही है। कुछ और संदर्भ।

एक बात जो मैं जल्दी से वापस जाना चाहता हूँ। इस अवधि में हमारे अध्ययन में सुसमाचार की उत्पत्ति को कभी न भूलें। सुसमाचार का आविष्कार नए नियम के लेखकों द्वारा नहीं किया गया है।

यशायाह 49, जो पुस्तक के दूसरे बड़े भाग की शुरुआत करता है। मेरे लोगों को शान्ति दो, शान्ति दो। और फिर 40 पद 9 में, मेवसेरेट ।

मेवासेरेट के लिए संकेतों पर नज़र रखें। यरूशलेम के बाहरी इलाके में हवाई अड्डे से आते समय - मेवासेरेट ।

खुशखबरी, खुशखबरी, हर्षपूर्ण घोषणा, शहर। यह हिब्रू में एक सहभागी रूप है। और सुसमाचार परमेश्वर की खुशखबरी है।

यह मौखिक मूल शब्द बेसर से आया है। यह यशायाह के संदर्भ में यहूदा के निर्वासन से पुनःस्थापित होने के बारे में अच्छी खबर है। इसलिए एक संदेशवाहक युद्ध के दृश्य से वापस आता है, और राजा और लोगों को युद्ध के परिणाम की घोषणा करता है।

जीत की खुशी। और जब आप प्राचीन दुनिया में रोज़मर्रा की ज़िंदगी में बेसर का इस्तेमाल सुनते हैं, और जब आप परमेश्वर की खुशखबरी को समझते हैं, तो इसमें जीत शामिल होती है। हम अभी ईस्टर के मौसम से गुज़रे हैं।

सुसमाचार की अच्छी खबर यह है कि किसी ने मृत्यु पर विजय प्राप्त कर ली है। जीत हुई है। और जैसा कि उत्तरी तट से हमारे कवि ने कहा है, अगर अमीनो एसिड फिर से प्रज्वलित नहीं होते हैं, और अणु फिर से जुड़ते नहीं हैं, तो चर्च गिर जाएगा।

यीशु के मृतकों में से जी उठने की बात करें तो यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है। मृतकों में से जी उठना और जीत की खुशी। यीशु का जी उठना।

मृत्यु के डंक को दूर करना। अब, नया नियम भौतिक या शाब्दिक को आध्यात्मिक बनाता है और मुख्य रूप से पाप से मुक्ति को संदर्भित करने के लिए बेसर, ईश्वर की अच्छी खबर लेता है। बस यह इंगित करने के लिए कि चर्च को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता क्यों है कि यह एक अच्छा चर्च है, और यह बुरी खबर नहीं, बल्कि अच्छी खबर देने वाले लोगों की तरह क्यों कार्य करता है।

हम बुरी खबर नहीं हैं, भालू; हम अच्छी खबर हैं। नकारात्मक ईसाई-यहूदी संबंधों के लंबे इतिहास के कारण, यहाँ यहूदी समुदाय द्वारा ईसाई सुसमाचार के लिए बनाया गया एक महान लेकिन दुखद वाक्य है। हमने इसे इवेंजेलियन कहा, या इवेंजेलियन शब्द, भगवान की अच्छी खबर, यूएंगेलिज़ो से।

यहूदी आए और कहा कि इवेंजेलियन वास्तव में इवेंजेलियन है। इवेंजेलियन अच्छी खबर की कहानी है। इवान का मतलब है मुड़ा हुआ, मुड़ा हुआ या बुरा।

यह पाप या बुराई के लिए इस्तेमाल होने वाले शब्दों में से एक है, लेकिन शाब्दिक रूप से इसका मतलब भ्रष्ट या झुका हुआ या विकृत होना है। पुराने नियम में इवान का यही मतलब है। और गिलियन स्क्रॉल के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द है।

मेगिल्लाह वह चीज़ है जिसके साथ आप घूमते हैं। और स्क्रॉल के लिए शब्द शाब्दिक रूप से दुष्ट स्क्रॉल है। और इसलिए यहूदियों ने इस वाक्य को बनाया, जैसे कि एंटिओकस एपिफेन्स, प्रकट व्यक्ति, एपिमेनेस, पागल आदमी था।

यहाँ एक अक्षर बदलें। तो, मैं यह बताना चाहता हूँ। इवेंजेलियन या यूएंगेलियन, जिसका ग्रीक अर्थ अच्छी खबर है, इवेंजेलियन बन गया, जिसका हिब्रू अर्थ दुष्ट स्क्रॉल है।

यह एक शब्द-क्रीड़ा है, और इसका इस्तेमाल तल्मूडिक काल के दौरान रब्बियों द्वारा किया जाता था। मैं कुछ अन्य बातों की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूँ।

पुस्तक की एक महान साहित्यिक विशेषता जो हम देख रहे हैं, वह है शिक्षा देने के कई मामले जिन्हें हम चिआस्टिक, ABBA कह सकते हैं। 29:13 में, प्रभु कहते हैं, "ये लोग अपने मुँह से मेरे पास आते हैं और अपने होठों से मेरा आदर करते हैं, लेकिन उनके दिल मुझसे दूर रहते हैं।" ध्यान दें कि वह इसे कैसे प्रस्तुत करता है।

अब्बा। यीशु ने मत्ती 15, आयत 8 और 9 में भी इसी आयत का इस्तेमाल किया है। इसका इस्तेमाल मार्क 7:6 और 7 में भी किया गया है। और वह कहता है, मैं तुमसे पाखंडी या झूठे धर्म, एक तरह के बाहरी धर्म के बारे में बात करने के लिए नहीं कहूँगा। वे परमेश्वर से डरते थे, लेकिन दिल से नहीं।

उनका डर ईश्वरीय रहस्योद्घाटन में नहीं, बल्कि मनुष्यों की आज्ञाओं में था। यशायाह के अध्याय 30, श्लोक 10 और 11 में, भविष्यवक्ताओं को जिस व्यक्तिगत संघर्ष से जूझना पड़ा, वह एक दिलचस्प अभिव्यक्ति है। लोग यशायाह से कह रहे थे, और मीका में भी इस पर ज़ोर दिया गया है, कि इसे कम किया जाए।

जो लोग द्रष्टाओं से कहते हैं, अब और दर्शन मत देखो, और भविष्यवक्ताओं से कहते हैं, अब हमें सही दर्शन मत दो। हमें सुखद बातें बताओ, भ्रम की भविष्यवाणी करो। दिलचस्प है।

लूथर ने इस विशेष अंश, 30, श्लोक 10 का जो अनुवाद किया है, वह हमारे लिए नरम उपदेश है। इसी तरह से उन्होंने इसका अनुवाद किया है। यहाँ शब्द हमें सुखद चीजों के बारे में बताता है; जैसा कि एनआईवी इसका अनुवाद करता है, मुझे लगता है कि यह हमेशा लोगों द्वारा सुनी जाने वाली बातों के बजाय शास्त्र को कमज़ोर करने के प्रलोभन को रेखांकित करता है।

इसलिए चिकनी-चुपड़ी बातें चापलूसी वाली बातें थीं जो मनुष्य के पाप से बचती थीं, शायद सत्य से बचती थीं। यह यशायाह के दिनों में भविष्यवक्ता के पद के लिए एक प्रलोभन था, और यह आज भी है, जैसा कि परमेश्वर का वचन आज घोषित किया जाता है, एक प्रवृत्ति। जैसा कि अगले श्लोक में कहा गया है, इस्राएल के पवित्र के साथ हमारा सामना करना बंद करो।

यह एक शक्तिशाली उदाहरण है। मैं आपको डेड सी स्कॉल से एक उदाहरण देता हूँ, जो एक आकर्षक अंश है। आप 33.8 में देखेंगे, और मैं आज इसी के साथ समाप्त करूँगा, 33.8 डेड सी स्कॉल में कई स्थानों में से एक है, जहाँ डेड सी स्कॉल के कारण, एक बदलाव हुआ है, इस मामले में एक शब्द में, उदाहरण के लिए, जहाँ यह किंग जेम्स की 400वीं वर्षगांठ है।

अब हमारे पास IRSV, NIV और अन्य अनुवाद हैं, और यहाँ का अंश राजमार्गों के बारे में बताता है कि वे सुनसान हैं, सड़कों पर कोई यात्री नहीं है, संधि टूट गई है, और आपको शुरुआत में वापस जाना होगा, और आपके पास शहर हैं, किंग जेम्स संस्करण, तिरस्कृत हैं। अब, यदि आप समानता को देखते हैं, तो शहरों को शब्द का अनुवाद करना बहुत कम समझ में आता है, लेकिन यदि आप हिब्रू अक्षरों के आकार को बहुत ध्यान से देखें, तो आप देखेंगे कि हिब्रू में अक्षर R गोल है, हिब्रू में अक्षर D में थोड़ा ओवरलैप है और यह चौकोर है। लेकिन आप देख सकते हैं कि कैसे एक कदम बहुत आसानी से R और D को भ्रमित कर सकता है, और इसलिए शहरों के लिए शब्द है अरिम, एक रेश के साथ, गवाहों के लिए शब्द है आदिम, एक दलेत के साथ, और बस एक अक्षर का वह छोटा सा गोल शब्द का अर्थ बदल देता है।

यहाँ, फिर, डेड सी स्कॉल में पाया गया एक सुधार है, शब्द शहरों के पाठ में सुधार; जब संधि टूट जाती है, तो गवाहों को तिरस्कृत किया जाता है। अब, यदि आपके पास एक एनआईवी है, तो आप एक फुटनोट में देखेंगे कि यह डेड सी स्कॉल कहता है, गवाहों को पढ़ता है। खैर, प्राचीन दुनिया में संधियों के गवाह थे; यहां तक कि दस आज्ञाएँ भी महान राजा की संधि है, जैसा कि मेरेडिथ क्लेन कहते हैं, संधि सूत्र के साथ महान हित्ती-सुजरेन संधियों के समानांतर, और संधियों के गवाह बहुत महत्वपूर्ण थे।

इसलिए, जब संधियाँ तोड़ी जाती हैं, गवाहों का तिरस्कार किया जाता है, और किसी का सम्मान नहीं किया जाता। यह शब्द शहरों का अनुवाद करने से कहीं ज़्यादा समझ में आता है। तो यहाँ, हाँ, सिर्फ़ एक शब्द है जिसे अर्थ और पाठ के प्रवाह के संदर्भ में थोड़ा सुधारा गया है, और यही कारण है कि डेड सी स्क्रॉल का महत्व है, और हमारे पास हिब्रू बाइबिल की बहुत पुरानी, सबसे पुरानी पूर्ण पांडुलिपि है, जिसकी तारीख लगभग 1000 वर्ष है।

अब आपके पास एक पूरी परंपरा है जो एक हज़ार साल पहले की है और इनमें से कुछ आयतों के बारे में बहुत मददगार जानकारी देती है, लेकिन यह हज़ार साल की इस पूरी हाथ से की गई नकल के ज़रिए हिब्रू बाइबिल के बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को उजागर नहीं करती है। वास्तव में, इसके विपरीत, यह बहुत ही विश्वसनीय नकल को प्रदर्शित करता है, और बहुत, बहुत कम अपवादों के साथ, क्या ऐसे स्थान हैं जहाँ वास्तव में सुधार की आवश्यकता है? इसलिए, यह कहना पूरी तरह से गलत है कि इस हज़ार साल की अवधि में हमारे पास संचरण की विश्वसनीयता की जाँच करने का कोई स्वतंत्र तरीका नहीं था।

यह कहना गलत है कि उस समयावधि में पाठ को बहुत नुकसान हुआ। वास्तव में, मसोरेट्स, दूसरों के बीच, पाठ को आगे बढ़ाने में बहुत ही वफादार थे। इसलिए हम कह सकते हैं कि आज हमारे पास जो बाइबल है, हिब्रू बाइबल, सभी इरादों और उद्देश्यों के लिए, वही बाइबल है जो यीशु के पास थी।

तो यह डेड सी स्क्रॉल के बारे में सामान्य तौर पर अच्छी खबर है, लेकिन इनमें से कुछ छोटी जगहें हैं जहाँ हमें नकल की त्रुटियों के कारण कुछ छोटे-मोटे सुधार और सुधार करने होंगे। ठीक है, आज के लिए बस इतना ही। अगली बार हम एक कोर्स मूल्यांकन करेंगे और यशायाह से कुछ अतिरिक्त अंशों पर काम करेंगे जिन्हें मैं इस सूची में जोड़ना चाहता हूँ।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 34, यशायाह, मुख्य पाठ है।